

सतत घरेलू प्रबंधन एवं हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने में पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों की भूमिका

सोनी यादव¹ एवं डॉ. चंचल वर्मा²

¹शोधार्थी, गृह विज्ञान-विभाग

²शोध निर्देशक, गृह विज्ञान-विभाग

सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान

सारांश

वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण, जल संसाधनों की कमी, प्लास्टिक अपशिष्ट तथा रासायनिक पदार्थों के बढ़ते उपयोग ने सतत घरेलू प्रबंधन और हरित जीवनशैली की आवश्यकता को अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। घरेलू सफाई उत्पादों का उपयोग दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन पारंपरिक सफाई उत्पादों में उपस्थित कुछ रासायनिक घटक मानव स्वास्थ्य, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र तथा पर्यावरण की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। इसके विपरीत, पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों का उद्देश्य सफाई की प्रभावशीलता बनाए रखते हुए हानिकारक रसायनों के उपयोग, जल प्रदूषण, पैकेजिंग अपशिष्ट और संसाधनों की खपत को कम करना है।

मुख्य संकेतक: सतत घरेलू प्रबंधन, पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पाद, हरित जीवनशैली, जैव-अपघटनीयता, पर्यावरण संरक्षण, उपभोक्ता व्यवहार, सतत विकास।

परिचय

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास आज वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण विषय बन चुके हैं। घरेलू गतिविधियाँ, जैसे सफाई, कपड़े धोना, बर्तन साफ करना, फर्श की सफाई तथा व्यक्तिगत स्वच्छता, प्रतिदिन विभिन्न रासायनिक उत्पादों और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से जुड़ी होती हैं। इन गतिविधियों के दौरान जल, ऊर्जा, प्लास्टिक पैकेजिंग और सफाई रसायनों की खपत होती है। यदि इन संसाधनों का उपयोग बिना किसी पर्यावरणीय दृष्टिकोण के किया जाए, तो इससे घरेलू अपशिष्ट में वृद्धि, जल निकायों में प्रदूषण तथा संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न हो सकता है।

सतत घरेलू प्रबंधन का अर्थ ऐसी घरेलू व्यवस्थाओं को अपनाना है, जिनमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, आर्थिक बचत और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। इस दृष्टिकोण में पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों का विशेष महत्व है। ये उत्पाद अपेक्षाकृत कम पर्यावरणीय प्रभाव वाले घटकों, कम अपशिष्ट उत्पन्न करने वाली पैकेजिंग तथा संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को

प्रोत्साहित कर सकते हैं। हालांकि, केवल प्राकृतिक या हरे रंग के लेबल वाले उत्पाद को पर्यावरण-अनुकूल मान लेना उचित नहीं है। इसकी वास्तविक पर्यावरणीय उपयोगिता उत्पाद की संरचना, उत्पादन प्रक्रिया, परिवहन, उपयोग और निपटान सहित संपूर्ण जीवनचक्र पर निर्भर करती है।

हरित जीवनशैली केवल वस्तुओं के चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें जिम्मेदार उपभोग, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट में कमी और पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार भी शामिल हैं। इस प्रकार, पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पाद घरेलू जीवन में छोटे लेकिन महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने का माध्यम बन सकते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

इस समीक्षा शोधपत्र के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. सतत घरेलू प्रबंधन में पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों की भूमिका का अध्ययन करना।
2. पारंपरिक तथा पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों के पर्यावरणीय प्रभावों की तुलना करना।
3. घरेलू स्वास्थ्य, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन में इन उत्पादों के संभावित योगदान का विश्लेषण करना।
4. पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के उपयोग को प्रभावित करने वाले आर्थिक, सामाजिक और व्यवहारगत कारकों की पहचान करना।
5. हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत करना।

समीक्षा की पद्धति

प्रस्तुत शोधपत्र एक वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक समीक्षा पर आधारित है। इसमें सतत उपभोग, घरेलू सफाई उत्पादों, रासायनिक प्रदूषण, जैव-अपघटनीयता, जीवनचक्र मूल्यांकन और पर्यावरण-अनुकूल उपभोक्ता व्यवहार से संबंधित उपलब्ध वैज्ञानिक साहित्य तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय दिशानिर्देशों की अवधारणाओं को आधार बनाया गया है। समीक्षा में पर्यावरणीय प्रभाव, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, उत्पाद की सफाई क्षमता और आर्थिक व्यवहार्यता जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है।

इस अध्ययन में प्राथमिक सर्वेक्षण या प्रयोगात्मक परीक्षण नहीं किया गया है। इसलिए प्रस्तुत निष्कर्षों को साहित्य-आधारित विश्लेषण के रूप में समझा जाना चाहिए, न कि किसी विशिष्ट उत्पाद की स्वतंत्र प्रयोगशाला जाँच के परिणाम के रूप में। उत्पादों के बीच विश्वसनीय तुलना के लिए भविष्य के अध्ययनों में मानकीकृत परीक्षण, जीवनचक्र मूल्यांकन और उपभोक्ता व्यवहार संबंधी आँकड़ों का उपयोग किया जा सकता है।

पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों की अवधारणा

पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पाद ऐसे उत्पाद हैं, जिन्हें उनकी संरचना, निर्माण, उपयोग और निपटान के दौरान पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से विकसित किया जाता है। इन उत्पादों में जैव-अपघटनीय सतह-सक्रिय पदार्थ, कम मात्रा में आवश्यक सक्रिय घटक, अपेक्षाकृत कम हानिकारक रासायनिक संरचनाएँ तथा पुनर्चक्रण योग्य या पुनः भरने योग्य पैकेजिंग शामिल हो सकती हैं।

इनकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. जैव-अपघटनीयता: उपयुक्त पर्यावरणीय परिस्थितियों में घटकों का सूक्ष्मजीवों द्वारा विघटन।
2. कम पर्यावरणीय विषाक्तता: जलीय जीवों और अन्य गैर-लक्षित जीवों पर हानिकारक प्रभाव को कम करने का प्रयास।
3. संसाधन दक्षता: कम पानी, ऊर्जा और सामग्री के उपयोग को प्रोत्साहित करना।
4. सुरक्षित उपयोग: उत्पाद के सही उपयोग और निर्देशों के पालन के माध्यम से अनावश्यक संपर्क को कम करना।
5. सतत पैकेजिंग: पुनर्चक्रण योग्य, पुनः भरने योग्य या कम सामग्री वाली पैकेजिंग का उपयोग।

यह ध्यान रखना आवश्यक है कि जैव-अपघटनीय होने का अर्थ हमेशा पूर्णतः सुरक्षित होना नहीं है। किसी उत्पाद की सुरक्षा उसके सभी घटकों, सांद्रता, उपयोग की परिस्थितियों और निपटान के तरीके पर निर्भर करती है।

सतत घरेलू प्रबंधन में पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों की भूमिका

1. जल प्रदूषण में कमी

घरेलू सफाई के बाद प्रयुक्त पानी सीवर प्रणाली या अन्य जल निकासी माध्यमों से पर्यावरण तक पहुँच सकता है। कुछ सफाई रसायन जल निकायों में पहुँचकर जलीय जीवों को प्रभावित कर सकते हैं। उचित रूप से तैयार किए गए और प्रमाणित पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद ऐसे प्रभावों को कम करने में योगदान दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आवश्यकता के अनुसार सीमित मात्रा में उत्पाद का उपयोग करना और अत्यधिक झाग को सफाई की प्रभावशीलता का संकेत न मानना भी उपयोगी है।

2. घरेलू वायु गुणवत्ता

कुछ सफाई उत्पादों से वाष्पशील कार्बनिक यौगिक, सुगंधित पदार्थ या अन्य वाष्पशील घटक निकल सकते हैं। इनका प्रभाव उत्पाद की संरचना, वेंटिलेशन और उपयोग की मात्रा पर निर्भर करता है। कम वाष्पशील उत्सर्जन वाले उत्पादों का चयन तथा सफाई के समय पर्याप्त वेंटिलेशन घरेलू वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकता है। सुगंध-मुक्त उत्पाद कुछ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए उपयोगी विकल्प हो सकते हैं, लेकिन सुगंध-मुक्त होने मात्र से किसी उत्पाद की संपूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती।

3. प्लास्टिक अपशिष्ट में कमी

घरेलू सफाई उत्पाद प्रायः प्लास्टिक की बोतलों, ढक्कनों और अन्य पैकेजिंग में उपलब्ध होते हैं। पुनः भरने योग्य पैक, सांद्रित उत्पाद और पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग का उपयोग प्लास्टिक अपशिष्ट कम करने में सहायता कर सकता है। हालांकि, पुनर्चक्रण की वास्तविक उपयोगिता स्थानीय संग्रह व्यवस्था और पैकेजिंग की पुनर्चक्रण क्षमता पर निर्भर करती है।

4. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता

उचित रूप से तैयार किए गए कम-जोखिम वाले सफाई उत्पाद कुछ अनावश्यक रासायनिक संपर्कों को कम करने में सहायक हो सकते हैं। फिर भी, पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद का अर्थ यह नहीं है कि वह हर परिस्थिति में रोगाणुनाशक या कीटाणुनाशक भी होगा। अस्पताल, रसोई, शौचालय या संक्रमण के विशेष जोखिम वाले स्थानों में आवश्यकतानुसार प्रमाणित कीटाणुनाशक का उपयोग किया जाना चाहिए। सफाई उत्पादों को आपस में मिलाना, विशेषकर ब्लीच को अम्लीय उत्पादों या अमोनिया के साथ मिलाना, खतरनाक गैसों उत्पन्न कर सकता है।

5. पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों के प्रकार

घरेलू उपयोग में कई प्रकार के उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव उनकी संरचना और निर्माण प्रक्रिया के अनुसार भिन्न हो सकता है।

1. जैव-अपघटनीय डिटर्जेंट: ऐसे डिटर्जेंट जिनके संबंधित घटकों के जैव-अपघटन के प्रमाण उपलब्ध हों।
2. पौध-आधारित सफाई उत्पाद: इनमें पौधों से प्राप्त कुछ सतह-सक्रिय पदार्थ या अन्य घटक शामिल होते हैं।
3. सांद्रित सफाई उत्पाद: कम मात्रा में अधिक उपयोग के लिए तैयार उत्पाद, जिनसे पैकेजिंग और परिवहन का भार कम हो सकता है।
4. पुनः भरने योग्य सफाई उत्पाद: ऐसे उत्पाद जिनमें एक ही बोतल का बार-बार उपयोग किया जा सकता है।
5. कम सुगंध या सुगंध-मुक्त उत्पाद: ये अनावश्यक सुगंधित घटकों के संपर्क को कम कर सकते हैं।
6. पुनः उपयोग योग्य सफाई उपकरण: माइक्रोफाइबर कपड़े, टिकाऊ पोछे और धोकर दोबारा उपयोग किए जाने वाले उपकरण, जिनका लाभ उनके जीवनकाल और धुलाई के प्रभाव पर निर्भर करता है।

बेकिंग सोडा, साबुन या सिरके जैसे घरेलू पदार्थों का उपयोग कुछ हल्की सफाई गतिविधियों में किया जा सकता है, लेकिन ये प्रत्येक सतह, दाग या रोगाणु के लिए समान रूप से प्रभावी नहीं होते। प्राकृतिक पदार्थों को भी बिना सुरक्षा संबंधी जानकारी के मिलाना उचित नहीं है।

पारंपरिक और पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों की तुलना

तालिका 1. पारंपरिक एवं पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों का तुलनात्मक विश्लेषण

तुलना का आधार	पारंपरिक सफाई उत्पाद	पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पाद
रासायनिक संरचना	उत्पाद के अनुसार विभिन्न रासायनिक घटक	कम पर्यावरणीय प्रभाव वाले घटकों के चयन पर जोर
जैव-अपघटनीयता	घटकों के अनुसार अलग-अलग	प्रमाणित जैव-अपघटनीय घटक शामिल हो सकते हैं
जल पर प्रभाव	कुछ घटक जल प्रदूषण में योगदान कर सकते हैं	उचित निर्माण से संभावित प्रभाव कम हो सकता है
पैकेजिंग	अक्सर एकल-उपयोग पैकेजिंग	पुनः भरने योग्य या पुनर्चक्रण योग्य विकल्प उपलब्ध हो सकते हैं
घरेलू वायु गुणवत्ता	कुछ उत्पाद वाष्पशील पदार्थ छोड़ सकते हैं	कम उत्सर्जन वाले विकल्प उपलब्ध हो सकते हैं
सफाई क्षमता	उत्पाद और उपयोग के अनुसार भिन्न	उत्पाद और उपयोग के अनुसार भिन्न
लागत	प्रारंभिक कीमत कम या अधिक हो सकती है	प्रारंभिक कीमत अधिक हो सकती है; प्रति उपयोग लागत अलग हो सकती है

उपभोक्ता जागरूकता	सामान्यतः व्यापक उपलब्धता	लेबल और प्रमाणन समझना आवश्यक
पर्यावरणीय लाभ	विशिष्ट उत्पाद की संरचना पर निर्भर	सही उत्पाद और उचित उपयोग से संभावित लाभ

स्रोत: उपलब्ध साहित्य और सतत उपभोग संबंधी अवधारणाओं पर आधारित गुणात्मक तुलना। यह किसी विशिष्ट ब्रांड का प्रयोगात्मक परीक्षण नहीं है।

तालिका से स्पष्ट होता है कि दोनों प्रकार के उत्पादों की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन केवल उनके नाम या विपणन दावों के आधार पर नहीं किया जा सकता। उत्पाद की संरचना, प्रति उपयोग आवश्यक मात्रा, पैकेजिंग और निपटान की प्रक्रिया अधिक महत्वपूर्ण हैं।

हरित जीवनशैली और उपभोक्ता व्यवहार

हरित जीवनशैली का विकास केवल पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद खरीदने से संभव नहीं है। इसके लिए घरेलू स्तर पर जिम्मेदार उपभोग और नियमित व्यवहारगत परिवर्तन भी आवश्यक हैं। उपभोक्ताओं को उत्पाद का लेबल पढ़ने, आवश्यक मात्रा का उपयोग करने, पैकेजिंग को उचित तरीके से निपटाने और पानी की बचत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के चयन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं:

1. पर्यावरण संबंधी जागरूकता और शिक्षा।
2. उत्पाद की कीमत तथा परिवार की आय।
3. स्थानीय बाजार में उत्पादों की उपलब्धता।
4. उत्पाद की सफाई क्षमता और उपयोग में सुविधा।
5. प्रमाणन, लेबल और विज्ञापनों पर उपभोक्ता का विश्वास।
6. परिवार और समुदाय में प्रचलित उपभोग संबंधी आदतें।

कई बार उपभोक्ता पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, लेकिन अधिक कीमत, सीमित उपलब्धता या उत्पाद की प्रभावशीलता को लेकर संदेह के कारण उनका व्यवहार बदल नहीं पाता। इसलिए जागरूकता अभियान के साथ किफायती विकल्प और विश्वसनीय उत्पाद जानकारी उपलब्ध कराना भी आवश्यक है।

आर्थिक एवं सामाजिक महत्व

पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों की आर्थिक उपयोगिता का आकलन केवल उनकी खरीद कीमत के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए प्रति उपयोग लागत, उत्पाद की सांद्रता, पैकेजिंग का पुनः उपयोग, परिवहन और अपशिष्ट निपटान की लागत को भी ध्यान में रखना चाहिए। यदि सांद्रित उत्पाद कम मात्रा में प्रभावी सफाई प्रदान करता है, तो उसकी प्रति उपयोग लागत अपेक्षाकृत कम हो सकती है। हालांकि, यह लाभ उत्पाद और उपयोग की परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

सामाजिक स्तर पर इन उत्पादों का उपयोग पर्यावरणीय जिम्मेदारी, संसाधन संरक्षण और जिम्मेदार उपभोग के प्रति जागरूकता बढ़ा सकता है। विद्यालयों, आवासीय समितियों, सामुदायिक संस्थाओं और स्थानीय निकायों के माध्यम से सतत घरेलू प्रबंधन संबंधी

जानकारी का प्रसार किया जा सकता है। छोटे परिवारों से लेकर बड़े संस्थानों तक, खरीद और उपयोग संबंधी नीतियों में पर्यावरणीय मानदंड शामिल करने से सतत उपभोग को प्रोत्साहन मिल सकता है।

पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों को अपनाने की चुनौतियाँ

पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों के व्यापक उपयोग में कई बाधाएँ सामने आती हैं। कुछ उत्पादों की कीमत अधिक हो सकती है, जबकि ग्रामीण और छोटे शहरी बाजारों में उनकी उपलब्धता सीमित हो सकती है। कुछ उपभोक्ताओं को यह संदेह रहता है कि ऐसे उत्पाद पारंपरिक उत्पादों जितनी प्रभावी सफाई नहीं करेंगे। इसके अतिरिक्त, ग्रीनवॉशिंग अर्थात् पर्याप्त प्रमाण के बिना किसी उत्पाद को पर्यावरण-अनुकूल बताने की प्रवृत्ति उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकती है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए निम्नलिखित कदम उपयोगी हो सकते हैं:-

1. उत्पादों की संरचना और पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना।
2. विश्वसनीय प्रमाणन और परीक्षण परिणामों को प्राथमिकता देना।
3. किफायती तथा पुनः भरने योग्य उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाना।
4. उपभोक्ताओं को सुरक्षित उपयोग और सही मात्रा के संबंध में शिक्षित करना।
5. उत्पादों के संपूर्ण जीवनचक्र का मूल्यांकन करना।
6. निर्माताओं को जिम्मेदार पैकेजिंग और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करना।

सतत घरेलू प्रबंधन के लिए व्यावहारिक सुझाव

घरेलू स्तर पर पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाए जा सकते हैं:-

1. सफाई उत्पाद खरीदने से पहले उनकी सामग्री, चेतावनियों और उपयोग संबंधी निर्देशों को पढ़ें।
2. आवश्यकता से अधिक डिटर्जेंट या सफाई रसायन का उपयोग न करें।
3. संभव होने पर पुनः भरने योग्य या कम पैकेजिंग वाले उत्पाद चुनें।
4. सफाई के लिए उपयुक्त पुनः उपयोग योग्य कपड़ों और उपकरणों का प्रयोग करें।
5. पानी की अनावश्यक बर्बादी से बचें और उपकरणों का नियमित रखरखाव करें।
6. घरेलू कचरे का पृथक्करण करें तथा स्थानीय नियमों के अनुसार पैकेजिंग का निपटान करें।
7. खाद्य पदार्थों के संपर्क में आने वाली सतहों पर आवश्यकतानुसार उपयुक्त और सुरक्षित उत्पादों का प्रयोग करें।
8. किसी भी सफाई रसायन को दूसरे उत्पाद के साथ बिना स्पष्ट निर्देशों के न मिलाएँ।
9. केवल प्राकृतिक या हरित लेबल देखकर उत्पाद की सुरक्षा और प्रभावशीलता के बारे में निष्कर्ष न निकालें।

चर्चा

इस समीक्षा से पता चलता है कि पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पाद सतत घरेलू प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में कार्य कर सकते हैं। इनकी उपयोगिता जल प्रदूषण की संभावित रोकथाम, पैकेजिंग अपशिष्ट में कमी, जिम्मेदार उपभोग और कुछ

अनावश्यक रासायनिक संपर्कों को कम करने की दिशा में देखी जा सकती है। हालांकि, इन लाभों की मात्रा उत्पाद की वास्तविक संरचना और उसके उपयोग के तरीके पर निर्भर करती है।

सतत घरेलू प्रबंधन के लिए किसी एक उत्पाद को बदलना पर्याप्त नहीं है। उदाहरण के लिए, पर्यावरण-अनुकूल डिटेजेंट का उपयोग करने के बावजूद यदि अत्यधिक पानी, ऊर्जा या उत्पाद की मात्रा खर्च की जाती है, तो अपेक्षित पर्यावरणीय लाभ सीमित हो सकते हैं। इसी प्रकार, पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग तभी प्रभावी होगी जब उसे स्थानीय स्तर पर वास्तव में एकत्रित और पुनर्चक्रित किया जा सके।

इसलिए पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पादों का मूल्यांकन समग्र दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए। जीवनचक्र मूल्यांकन, रासायनिक सुरक्षा, वास्तविक सफाई क्षमता, प्रति उपयोग लागत और उपभोक्ता व्यवहार को एक साथ समझने से इनके लाभों का अधिक विश्वसनीय आकलन किया जा सकता है। भविष्य के शोध में भारतीय परिवारों के बीच उत्पादों के उपयोग, लागत, जागरूकता और पर्यावरणीय प्रभाव पर प्राथमिक आँकड़े एकत्रित करना विशेष रूप से उपयोगी होगा।

निष्कर्ष

पर्यावरण-अनुकूल सफाई उत्पाद सतत घरेलू प्रबंधन और हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता रखते हैं। उचित रूप से तैयार किए गए उत्पादों का चयन, उनकी सही मात्रा में उपयोग, पुनः भरने योग्य पैकेजिंग, जल संरक्षण और अपशिष्ट में कमी जैसे उपाय घरेलू गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में योगदान दे सकते हैं। इसके साथ ही, उपभोक्ता जागरूकता, उत्पादों की पारदर्शी जानकारी और विश्वसनीय प्रमाणन इन उत्पादों के प्रभावी उपयोग के लिए आवश्यक हैं।

हालांकि, सभी पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद समान रूप से सुरक्षित, प्रभावी या आर्थिक रूप से लाभकारी नहीं होते। इसलिए उनका चयन प्रमाणित पर्यावरणीय विशेषताओं, सुरक्षा निर्देशों, वास्तविक सफाई क्षमता और प्रति उपयोग लागत के आधार पर किया जाना चाहिए। सतत घरेलू प्रबंधन का सबसे प्रभावी दृष्टिकोण वह है जिसमें उपयुक्त उत्पादों के चयन के साथ जिम्मेदार उपभोग, संसाधनों का संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार भी शामिल हो। इस प्रकार, व्यक्तिगत घरेलू आदतों में छोटे परिवर्तन व्यापक पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।

संदर्भ सूची

1. यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम। (2021). एक साइंटिफिक ब्लूप्रिंट के लिए क्लाइमेट, बायोडायवर्सिटी और पॉल्यूशन की मात्रा की समीक्षा। यूएनईपी।
2. कोऑपरेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए निजीकरण। (2002)। सस्टेनेबल हाउस होल्ड कंजम्पशन की ओर? ओईसीडी देशों में रुझान और शैलियाँ। ओईसीडी प्रकाशन।
3. यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम। (2023)। टैप को बंद करना: दुनिया भर में प्लास्टिक पॉल्यूशन को खत्म किया जा सकता है और सरकोल इकोनोमी बनाई जा सकती है। यूएनईपी।
4. मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय संगठन। (2006)। ISO 14040: एनवायरनमेंटल फ़्लायर-लाइफ़ साइकलिस्ट

असेमेंट-सिद्धांत और फ्रेमवर्क। आईएसओ।

5. यूरोपियन संसद और काउंसिल ऑफ द यूरोपियन यूनियन। (2009)। रेगुलेशन नंबर 648/2004 पर रेगुलेशन नंबर 551/2009 द्वारा संशोधन किया गया। यूरोपियन यूनियन का लॉटरी जर्नल।
6. यूरोपियन कमीशन। (2011). 28 जून 2011 को ऑल-पार्पस एंटरप्राइजेज और सैनिटरी रॉकेट्स के कमीशन का निर्णय ईयू इकोलेवल रिप्लेसमेंट के लिए लिया गया। यूरोपियन यूनियन का लॉटरी जर्नल।
7. विश्व स्वास्थ्य संगठन। (2018). कौन से डॉक्टर और स्वास्थ्य दिशानिर्देश। विश्व स्वास्थ्य विपणन।
8. यूनाइटेड नेशंस। (2015). दुनिया भर में ट्रांसफॉर्मिंग: 2030 के लिए सस्टेनेबल वीडियो। यूनाइटेड नेशंस।